

कार्यालय निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर

क्रमांक: शिविरा/प्रारं/शैक्षिक/जी/प्रवेशोत्सव कार्यक्रम/2017-18/ दिनांक 03.04.17

उप निदेशक
प्रारम्भिक शिक्षा (समस्त)

जिला शिक्षा अधिकारी,
प्रारम्भिक शिक्षा (समस्त)

विषय:- प्रवेशोत्सव कार्यक्रम 2017-18 के आयोजन के संबंध में ।

शिक्षा प्राप्त करना प्रत्येक बालक का मौलिक अधिकार है तथा प्रत्येक बालक को शिक्षा उपलब्ध करवाना राज्य सरकार का दायित्व है शिक्षा के सार्वजनीकरण के लक्ष्य की पूर्ति हेतु 06 से 14 आयु वर्ग के अनामांकित बालकों का राजकीय विद्यालयों में प्रवेश सुनिश्चित कराने तथा नामांकन वृद्धि हेतु इस वर्ष दो चरणों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम निम्नानुसार आयोजित किये जाने का निर्णय किया गया है ।

1. प्रथम चरण :- दिनांक 28 अप्रैल 2017 से 09 मई 2017 तक

2. द्वितीय चरण :- दिनांक 20 जून 2017 से 05 जुलाई 2017 तक

प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के समय वंचित बालकों को विद्यालयों के जोड़ने तथा शत प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य प्राप्त करने हेतु निम्नानुसार गतिविधियों का आयोजन किया जाना सुनिश्चित करें :-

- 1- प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के संबंध में संलग्न कार्यक्रम के अनुसार प्रतिदिन की गतिविधियों का आयोजन किया जावे ।
- 2- विद्यालय स्तर पर शिक्षा से वंचित/अनामांकित/ड्रापआउट तथा ऑगनबाडी केन्द्रों से कक्षा 1 में प्रवेश लेने वाले लक्ष्य समूह के बालक-बालिकाओं की नामवार सूची तैयार कर शिक्षकों को लक्ष्य आवंटित करे, तत्पश्चात अभिभावकों से व्यक्तिशः सम्पर्क कर लक्षित समूह के बालक-बालिकाओं का विद्यालयों में प्रवेश सुनिश्चित किया जाये ।
- 3- प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के दौरान आमजन व अभिभावकों को राज्य सरकार द्वारा विद्यार्थियों के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं यथा छात्रवृत्ति, निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, निःशुल्क शिक्षा, मिड-डे मिल, दुर्घटना बीमा, शैक्षिक भ्रमण, मेधावी विद्यार्थियों को लेपटॉप, आपकी बेटी योजना इत्यादि से अवगत करावे ।
- 4- प्रवेशोत्सव कार्यक्रम को प्रभावी बनाने तथा वंचित बालकों को शाला में प्रवेश दिलाने के लिए वातावरण निर्माण करने हेतु विद्यालय स्तर/ढाणी/मगरा स्तर पर रैलिया तथा अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जाये ।
- 5- प्रवेशोत्सव से सम्बन्धित पैम्पलेट्स का आवश्यक संख्या में मुद्रण कर ग्राम/ढाणी/कस्बे में वितरण किया जावे व प्रतिदिन के कार्यक्रमों का समाचार पत्रों/सोशल मीडिया के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार किया जाये ।
- 6- अनामांकित व ड्राप आउट बालकों को चिन्हित कर उनके अभिभावकों को व्यक्तिशः सम्पर्क कर उन्हें शाला में आने हेतु प्रेरित किया जावे ।
- 7- प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों/ग्राम समुदाय, स्वयं सेवी संगठनों तथा विद्यालय प्रबन्धन समिति के सदस्यों का सक्रिय सहयोग प्राप्त करें ।
- 8- प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में नवप्रवेशी बालकों का रोली, टीका लगाकर स्वागत किया जावे तथा ऐसे प्रवेश लेने वाले बालकों को पाठ्यपुस्तकें व अन्य उपलब्ध सामग्री वितरित की जाये ।
- 9- प्रारम्भिक शिक्षा विभाग अन्तर्गत संचालित विद्यालयों के आगामी तीन वर्षों के नामांकन लक्ष्य निर्धारित कर विद्यालयवार जिलेवार सूचनाएँ शालादर्शन पोर्टल पर अपलोड की गई है अतः जिले से सम्बन्धित विद्यालयवार सूचनाएँ डाउनलोड कर विद्यालयों को आवंटित लक्ष्य अनुसार नामांकन अभिवृद्धि सुनिश्चित करवाई जाये ।
- 10- प्रवेशोत्सव के दौरान प्रत्येक अध्यापक कम से कम 20 बच्चों या क्षेत्र के समस्त अनामांकित बालकों का नामांकन करवाना सुनिश्चित करें ।
- 11- प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में अभिभावकों/जनप्रतिनिधियों/आमजन का सक्रिय सहयोग व संबलन प्राप्त करने हेतु दिनांक 29.4.2017 को विद्यालय प्रबन्धन समिति की साधारण सभा एवं अध्यापक अभिभावक परिषद की बैठक आयोजित कर परिक्षेत्र के समस्त अनामांकित व ड्रापआउट बालकों का राजकीय विद्यालयों में प्रवेश कराने व शत प्रतिशत नामांकन लक्ष्य प्राप्त करने हेतु वृहद स्तर पर निर्धारित कर कार्य योजना तैयार करे ।
- 12- प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में नवप्रवेशित व नामांकित बालकों के संबंध में विद्यालयों में प्रतिदिन का अभिलेख का संधारण किया जाये तथा संलग्न प्रपत्र 1 व 3 संस्था प्रधान द्वारा दैनिक नवप्रवेशोत्सव छात्र-छात्राओं की संख्या तथा प्रपत्र 2 प्रथम चरण में नवप्रवेशित छात्र छात्राओं की संख्या एवं प्रपत्र 4 में द्वितीय चरण में नवप्रवेशोत्सव छात्र छात्राओं की संख्या तथा प्रपत्र 5 में प्रथम चरण एवं द्वितीय चरण दोनों की समेकित सूचना तैयार कर इस कार्यालय की ई मेल आईडी shakshikcelledu@gmail.com पर भिजवाना सुनिश्चित करें ।

प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं नामांकन के शत-प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति हेतु उक्त निर्देशों की पालना सुनिश्चित की जाये ।

संलग्न:- कार्यक्रम


निदेशक

प्रारम्भिक शिक्षा राजस्थान
बीकानेर

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है ।

1. शासन सचिव, स्कूल शिक्षा, शासन सचिवालय, जयपुर ।
2. समस्त जिला कलेक्टर ।
3. निदेशक माध्यमिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर ।
4. निदेशक राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर ।
5. संयुक्त शासन सचिव, प्रारम्भिक शिक्षा (आयोजना) विभाग शासन सचिवालय जयपुर ।
6. संपादक शिविरा पत्रिका को सात प्रतियों में प्रकाशनार्थ ।
7. ब्लॉक प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी (समस्त)
8. पदेन पंचायत प्रारम्भिक शिक्षा अधिकारी (समस्त)
9. रक्षित पत्रावली


निदेशक

प्रारम्भिक शिक्षा राजस्थान
बीकानेर

प्रवेशोत्सव : कार्यक्रम रूपरेखा

(चलो पढ़ाएं— आगे बढ़ाएं — राष्ट्र धर्म निभाएं)

प्रस्तावना—

गत वर्ष विभाग द्वारा चलाए गए प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के समस्त अधिकारी, शिक्षक, कार्मिक जनप्रतिनिधि, व अभिभावकों द्वारा दिए गए सहयोग से विभाग ने नामांकन वृद्धि में उत्साहजनक सफलता प्राप्त की है। गत वर्ष प्रवेशोत्सव कार्यक्रम से पहले समस्त राजकीय विद्यालयों हेतु आगामी तीन वर्षों का नामांकन लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं। विभाग लक्ष्य को अर्जित करने के लिए कटिबद्ध है, अतः इस वर्ष भी विभाग ने प्रवेशोत्सव को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। नामांकन लक्ष्य को अर्जित करने के इस चुनौतीपूर्ण कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका शिक्षक तथा संस्था प्रधानों की है। विभाग अपेक्षा रखता है कि शिक्षक व संस्थाप्रधान चुनौती को स्वीकार करते हुए वर्ष के नामांकन लक्ष्य को अर्जित करेंगे।

प्रायः यह देखा गया है कि कक्षा 1 में प्रवेश लेने वाले छात्रों की संख्या कक्षा 08 तक पहुँचते-पहुँचते काफी कम रह जाती है। अर्थात् विद्यार्थी अपनी शिक्षा निरन्तर नहीं रख पाते हैं। प्रवेशोत्सव मात्र विद्यालय की एन्ट्री कक्षा में विद्यार्थी के प्रवेश तक ही सीमित नहीं है वरन् यह मध्य की कक्षाओं में ड्रॉप-आउट हुए विद्यार्थियों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा में लाए जाने का भी प्रयास है।

शिक्षा में निरन्तरता को बनाए रखना राज्य का एक महत्वपूर्ण कार्य है। विभिन्न प्रकार की प्रोत्साहन व छात्रवृत्ति योजनाओं के संचालन के बाद भी इस क्षेत्र में वांछित सफलता अभी शेष हैं।

अतः आवश्यक हो जाता है कि प्रत्येक विद्यार्थी की ओर अपना ध्यान केन्द्रित किया जावे तथा उनका पूर्ण tracking रिकार्ड भी संधारित हो। इस हेतु अपने आस-पास के फीडर विद्यालयों से अंतिम कक्षा उत्तीर्ण करने वाले विद्यार्थियों की सूची प्राप्त करें, साथ ही निजी विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को राजकीय विद्यालयों की विशेषताओं यथा-पूर्ण प्रशिक्षित योग्य शिक्षक, विभिन्न छात्रवृत्ति एवं प्रोत्साहन संबंधी सुविधाओं के बारे में अवगत और आ वस्तु करवाते हुए राजकीय विद्यालय में प्रवेश हेतु प्रेरित करें।

वर्ष 2017-18 हेतु प्रारम्भिक शिक्षा विभाग द्वारा इस सत्र की वार्षिक परीक्षा के समापन के साथ ही नामांकन वृद्धि हेतु एक व्यापक अभियान चलाए जाने का निश्चय किया गया है। प्रत्येक विद्यालय में कार्यरत शिक्षक एवं संस्था प्रधान का दायित्व है कि वे अपने परिक्षेत्र के समस्त विद्यार्थियों का प्रवेश राजकीय विद्यालयों में करवाया जाना सुनिश्चित करेंगे। प्रवेशोत्सव का यह विशेष अभियान दिनांक 26 अप्रैल 2017 से विधिवत रूप से चलाया जाएगा। इस अभियान द्वारा प्रवेश के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया जाएगा। यह अभियान समुदाय को विद्यालय से जोड़ने के रास्ते में मील का पत्थर साबित हो, इसलिए आवश्यक है कि इसमें अभिभावकों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय जन-समुदाय का प्रत्येक स्तर पर सहयोग प्राप्त करते हुए इस अभियान को सफल बनाएं।

उद्देश्य -

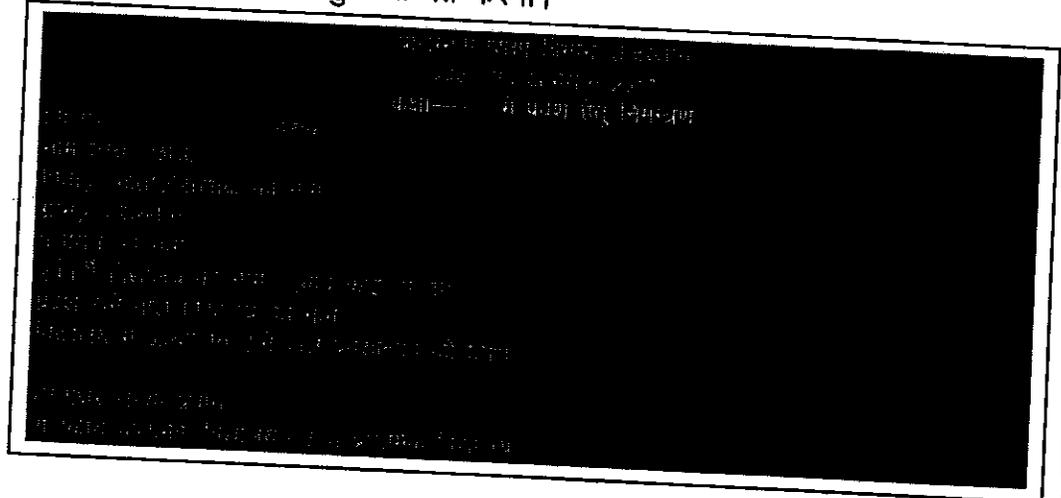
- कक्षा 1 में नवप्रवेशी बालकों को चिह्नित कर नामांकित करवाना।
- अध्ययन की निरन्तरता हेतु, अध्ययन निरन्तर नहीं रख पाने वाले छात्र-छात्राओं पर विशेष ध्यान देना।
- ड्रॉप आउट हुए छात्र-छात्राओं को "Back-to-school" हेतु कार्ययोजना बनाना।
- मौसमी पलायन करने वाले बालक-बालिकाओं के लिये सर्व शिक्षा अभियान द्वारा संचालित गैर आवासीय विशेष शिक्षण शिविरों से उत्तीर्ण बच्चों को मुख्य धारा में प्रवेश दिलवाना।
- बाल श्रम में संलग्न ड्रॉप आउट/अनामांकित बालक-बालिकाओं को चिह्नित कर पूर्ववर्ती कक्षा से आगे अध्ययन हेतु प्रवेश दिलवाना।

दो प्रमुख चरण -

3. प्रथम चरण - दिनांक 26 अप्रैल 2017 से 09 मई 2017 तक
4. द्वितीय चरण - शेष रहे हार्ड कोर लक्ष्य समूह हेतु दिनांक 20 जून 2017 से 05 जुलाई 2017 तक।

पूर्व तैयारियाँ एवं प्रचार-प्रसार/आई.ई.सी.(Information for Education Communication)—

- नजरी नक्शा बनाना – प्राथमिक/उच्च प्राथमिक विद्यालयों में उनके फीडर स्कूलों/निवास स्थानों का एक कार्डशीट पर नजरी नक्शा तैयार करना जिसमें नामांकन लक्ष्य और विद्यालय की स्थिति एवं उपलब्धि (At a glance) अंकित हों। यह नजरी नक्शा आपके विद्यालय में हर समय उपलब्ध हो ताकि निरीक्षण के समय विभागीय अधिकारियों/ जनप्रतिनिधियों से अभियान बाबत सम्बलन प्राप्त करने में सुविधा रहे।
- शहरी विद्यालयों के निकटस्थ फीडर स्कूल/कैचमेन्ट एरिया का निर्धारण।
- प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा शिक्षा के निरन्तरता हेतु सरकार द्वारा किये जा रहे अभियान के बारे में व्यापक प्रचार-प्रसार करना।
- शिक्षा की निरन्तरता की इस अभिनव पहल पर आधारित पोस्टर एवं हैण्ड आउट्स प्रिंट करवाना।
- ढोल एवं गाजे-बाजे के साथ रैलियां आयोजित करना जिसमें बैनर एवं नारों के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने हेतु मोहल्ला/ग्रामवार टोलियां बनाकर लक्ष्य समूह से घर-घर सम्पर्क करने करते हुए लक्ष्यसमूह को पीले, नीले, लाल एवं सफेद कार्ड सम्बन्धित छात्र-छात्रा के अभिभावकों को प्रातः अथवा सायंकाल में वितरित कर उनके बच्चों को आगामी कक्षा में प्रवेश दिलाने हेतु निमन्त्रित करना।
- प्रवेश हेतु निमन्त्रण-



लक्ष्य समूह निर्धारण –

- पहली कक्षा में प्रवेश लेने वाले लक्ष्य समूह के बच्चों की सूचियाँ फीडिंग एरिया/कैचमेन्ट एरिया के ऑगनबाड़ी केन्द्रों से प्राप्त करना।
- सर्व शिक्षा अभियान से आउट ऑफ स्कूल बच्चों की सूचियाँ प्राप्त करना।
- प्रवेश लेने वाले लक्ष्य समूह के बच्चों को चिह्नित कर सूचियाँ तैयार करवाना।
- कक्षा 1 में प्रवेश हेतु प्राथमिक शिक्षा में प्रवेश करने वाले बच्चों की सूचियाँ आस-पास की ढाणियों से प्राप्त करना।
- कक्षा 5 में प्रवेश हेतु प्रारम्भिक शिक्षा पूर्ण करने वाले बच्चों की सूचियाँ प्राथमिक विद्यालयों से प्राप्त करना।

कन्वर्जन्स (सहयोग संस्थाएं)

i	जिला प्रशासन।	vii	पंचायतीराज संस्थाएँ एवं शहरी निकाय।
ii	शिक्षा विभाग (प्रारम्भिक शिक्षा)।	viii	समाज कल्याण विभाग।
iii	शिक्षा विभाग (माध्यमिक शिक्षा)।	ix	महिला एवं बाल विकास विभाग।
iv	जिला शिक्षा प्रशिक्षण संस्थान।	x	साक्षरता एवं सतत् शिक्षा विभाग।
v	सर्व शिक्षा अभियान।	xi	लक्ष्य समूह के अभिभावक गण।
vi	राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान।	xii	स्वयंसेवी संस्थाएं।

प्रवेशोत्सव क्रियान्विति के महत्वपूर्ण बिन्दु -

- प्रवेशोत्सव से संबंधित पम्पलेट्स का आवश्यक संख्या में मुद्रण एवं ग्राम/कस्बे/ढाणियों में वितरण।
- आवश्यकतानुसार प्रवेश हेतु निमंत्रण कार्ड का मुद्रण करवाना।
- पंचायत एवं ब्लॉक स्तरीय समितियों की बैठकों में फीडिंग/कैचमेन्ट एरिया का निर्धारण करना।
- नव प्रवेशी बालक/बालिकाओं की सूचियां तैयार करना तथा परीक्षा परिणाम की घोषणा के साथ ही लक्ष्य समूह के निर्धारण हेतु संस्था प्रधानों से कक्षा 5 उत्तीर्ण बालक/बालिकाओं की सूचियों का validation करवाना।
- सूचियों के आधार पर सम्बन्धित विद्यालयों को लक्ष्य आवंटित करना।
- प्रवेशोत्सव से पूर्व प्रतिदिन का कार्यक्रम बनाकर समाचार पत्रों के माध्यम से व्यापक प्रचार प्रसार करना।
- नव प्रवेशी बालक-बालिकाओं का स्वागत कार्यक्रम आयोजित करना।
- नव प्रवेशी बालक-बालिकाओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण और अन्य प्रोत्साहन सामग्री वितरित करवाना।
- समय समय पर प्रभावी मॉनिटरिंग द्वारा नामांकन का शत प्रतिशत लक्ष्य अर्जित करना।
- अभिभावक सम्पर्क/जन सम्पर्क करने से पूर्व यह आवश्यक है कि शिक्षा से वंचित जिन बालक-बालिकाओं के अभिभावकों से सम्पर्क किया जाना है, उनकी सूची विद्यालय स्तर तक प्रत्येक शिक्षक के पास उपलब्ध हो। इस हेतु विद्यालय के आस-पास के क्षेत्र में शिक्षा से वंचित अनामांकित बच्चों के प्रवेश हेतु V.E.R. (Village education register) / W.E.R. (Ward education register) का भी प्रयोग किया जा सकता है, जिसे उस क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय के नोडल प्रधानाध्यापक से प्राप्त किया जा सकता है।
- प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में स्थानीय जन प्रतिनिधियों यथा सरपंच, वार्ड पंच तथा यथा संभव माननीय सांसद, विधायक को आमंत्रित कर उनका सहयोग प्राप्त करना।

प्रवेशोत्सव कार्यक्रम –(प्रथम चरण) माह अप्रैल-मई 2017

(26.4.2017 से 09.5.2017 तक)

सब पढ़ें सब बढ़ें

26 अप्रैल 2017	स्वयं प्रवेश लेने वाले बच्चों का प्रवेश करवाना, बालक बालिकाओं एवं अध्यापकों की टोलियों का गठन कर उन अभिभावकों से विशेष रूप से संपर्क स्थापित करना जिनके बच्चे एसएसए द्वारा किये गये सीटीएस सर्वे अनुसार विद्यालय जाने योग्य हैं तथा विद्यालय में अनामांकित हैं उन्हें प्रवेश दिलाने हेतु प्रेरित करना साथ ही बालिका नामांकन/बालिका प्रवेश हेतु विशेष ध्यान देना।
27 अप्रैल 2017	स्थानीय जन प्रतिनिधियों, अभिभावकों एवं बच्चों के साथ रैली का आयोजन करना जिसमें शिक्षा की महत्ता से संबंधित बेनर,स्टीकर,नारे आदि का उपयोग करते हुए ढोल मंजीरे के साथ रैली निकालना। विद्यालय परिसर की साज सज्जा, वृक्षारोपण, स्थानीय जन प्रतिनिधियों के नेतृत्व में प्रवेशोत्सव आदि पर प्रकाश डालते हुए समारोह का आयोजन करना।
28 अप्रैल 2017	प्रार्थना सभा के आयोजन में ही विद्यालय में नवीन प्रवेश लेने वाले बालक बालिकाओं का परम्परागत तरीके से स्वागत एवं पारस्परिक परिचय। जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में निम्नलिखित पाठ्य पुस्तकों का वितरण।
29 अप्रैल 2017	विद्यालय प्रबन्ध समिति/अध्यापक अभिभावक समिति की बैठक का आयोजन तथा स्थानीय जन प्रतिनिधि, सरपंच, वार्ड पंच एवं सम्मानित व्यक्तियों द्वारा बच्चों को सम्बोधन।
01 मई 2017	बाल सभा एवं ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, जो बच्चों को प्रवेश देने में प्रेरक बने। चित्रकला एवं सुलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन।
02 मई 2017	बच्चों हेतु ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन, बालमेलों का आयोजन, शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रदर्शन। पुनः ढोल नगाडे इत्यादि के साथ रैली, प्रभात फेरी का आयोजन। ऐसे बच्चों के अभिभावकों से सम्पर्क करना जो विद्यालय में प्रवेश लेने से छूटे हुए हैं।
03 मई 2017	स्थानीय स्थानीय स्थलों पर बच्चों को ले जाना। शाला में पंचवटी लगाने हेतु जगह तैयार करना, विचार विमर्श आदि करना। प्रवेशोत्सव के दौरान विद्यालय में नवीन प्रवेश लेने वाले छात्रों एवं अभिभावकों का स्वागत।
04 मई 2017	विद्यालय में अध्ययनरत बालकों के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था। प्राकृतिक आपदाओं एवं मौसमी बीमारियों से बचाव की जानकारी। पांच संकल्प शिक्षकों एवं छात्रों के लिये दिलाना।
05 मई 2017	अध्यापकों की टोलियों द्वारा छात्रों एवं अभिभावकों से सम्पर्क कर प्रवेश योग्य बालकों को शाला में प्रवेश हेतु आने वाली समस्या का पता लगाना।
06 मई 2017	शाला/ग्राम स्तर पर प्राप्त समस्याओं का निराकरण कर, प्रवेश की शतप्रतिशत व्यवस्था करना।
08 मई 2017	चिन्हित बालकों के अभिभावकों से मिलना जो अभी तक प्रवेश के लिये शाला प्रधान से मिलने नहीं आये।
09 मई 2017	पखवाडे के दौरान किये गये कार्यों की समीक्षा एवं उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार एवं पखवाडे के अन्तर्गत किये गये कार्यों की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित करना।

प्रवेशोत्सव कार्यक्रम –(द्वितीय चरण) माह जून-जुलाई 2017

(20.6.2017 से 05.07.2017 तक)

सब पढ़ें सब बढ़ें

20 जून 2017	स्वयं प्रवेश लेने वाले बच्चों का प्रवेश करवाना, बालक बालिकाओं एवं अध्यापकों की टोलियों का गठन कर उन अभिभावकों से विशेष रूप से संपर्क स्थापित करना जिनके बच्चे एसएसए द्वारा किये गये सीटीएस सर्वे अनुसार विद्यालय जाने योग्य हैं तथा विद्यालय में अनामांकित हैं उन्हें प्रवेश दिलाने हेतु प्रेरित करना साथ ही बालिका नामांकन/बालिका प्रवेश हेतु विशेष ध्यान देना।
21 जून 2017	स्थानीय जन प्रतिनिधियों, अभिभावकों एवं बच्चों के साथ रैली का आयोजन करना जिसमें शिक्षा की महत्ता से संबंधित बेनर,स्टीकर,नारे आदि का उपयोग करते हुए ढोल मंजीरे के साथ रैली निकालना। विद्यालय परिसर की साज सज्जा, वृक्षारोपण, स्थानीय जन प्रतिनिधियों के नेतृत्व में प्रवेशोत्सव आदि पर प्रकल्प डालते हुए समारोह का आयोजन करना।
22 जून 2017	प्रार्थना सभा का आयोजन में ही विद्यालय में नवीन प्रवेश लेने वाले बालक-बालिकाओं का परम्परागत तरीके से स्वागत एवं पारस्परिक परिचय। जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में निम्बुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण।
23 जून 2017	विद्यालय प्रबन्ध /अध्यापक अभिभावक समिति की बैठक का आयोजन तथा स्थानीय जनप्रतिनिधि, सरपंच, वार्डपंच एवं सम्मानित व्यक्तियों द्वारा बच्चों को सम्बोधन।
24 जून 2017	बाल सभा एवं ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, जो बच्चों प्रवेश देने में प्रेरक बने। चित्रकला एवं सुलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन।
27 जून 2017	बच्चों हेतु ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिताओं के आयोजन,बालमेलों का आयोजन,शिक्षण अधिगम सामग्री का प्रदर्शन।
28 जून 2017	पुनः ढोल नगाडे इत्यादि के साथ रैली, प्रभात फेरी का आयोजन। ऐसे बच्चों के अभिभावकों से सम्पर्क करना जो विद्यालय में प्रवेश लेने से छूटे हुए हैं।
29 जून 2017	स्थानीय स्थलों पर बच्चों को ले जाना। शाला में पंचवटी लगाने हेतु जगह तैयार करना, विचार विमर्श आदि करना।
30 जून 2017	प्रवेशोत्सव के दौरान विद्यालय में नवीन प्रवेश लेने वाले छात्रों एवं अभिभावकों का स्वागत।
01 जुलाई 2017	विद्यालय में अध्ययनरत बालकों के स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था। प्राकृतिक आपदाओं एवं मौसमी बीमारियों से बचाव की जानकारी। पांच संकल्प शिक्षकों एवं छात्रों के लिये दिलाना।
03 जुलाई 2017	अध्यापकों की टोलियों द्वारा छात्रों एवं अभिभावकों से सम्पर्क कर प्रवेश योग्य बालकों को शाला में प्रवेश हेतु आने वाली समस्या का पता लगाना। शाला/ग्राम स्तर पर प्राप्त समस्याओं का निराकरण कर प्रवेश की शत प्रतिशत व्यवस्था करना।
04 जुलाई 2017	शाला/ग्राम स्तर पर प्राप्त समस्याओं का निराकरण कर प्रवेश की शतप्रतिशत व्यवस्था करना।
05 जुलाई 2017	प्रथम एवं द्वितीय पखवाडे के दौरान किये गये कार्यों की समीक्षा एवं उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार एवं पखवाडे के अन्तर्गत किये गये कार्यों की रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को प्रेषित करना।

विद्यालय का नाम..... पंचायत / निकाय..... नव प्रवेशित बच्चों हेतु प्रगति विवरण
पंचायत समिति.....

दिनांक	कक्षा 1 में प्रवेश		कक्षा 2 में प्रवेश		कक्षा 3 में प्रवेश		कक्षा 4 में प्रवेश		कक्षा 5 में प्रवेश		कक्षा 6 में प्रवेश		कक्षा 7 में प्रवेश		कक्षा 8 में प्रवेश		योग नामांकन		
	उपलब्धि	बा. बालि. योग	उपलब्धि	बा. बालि. योग															
26-04-17																			
27-04-17																			
28-04-17																			
29-04-17																			
01-05-17																			
02-05-17																			
03-05-17																			
04-05-17																			
05-05-17																			
06-05-17																			
08-05-17																			
09-05-17																			
योग																			

विद्यालय का नाम..... पंचायत / निकाय..... पंचायत समिति.....
 नव प्रवेशित बच्चों हेतु प्रगति विवरण

दिनांक	कक्षा 1 में प्रवेश		कक्षा 2 में प्रवेश		कक्षा 3 में प्रवेश		कक्षा 4 में प्रवेश		कक्षा 5 में प्रवेश		कक्षा 6 में प्रवेश		कक्षा 7 में प्रवेश		कक्षा 8 में प्रवेश		योग नामांकन	
	उपलब्धि	बा. बालि. योग	उपलब्धि	बा. बालि. योग														
20-06-17																		
21-06-17																		
22-06-17																		
23-06-17																		
24-06-17																		
27-06-17																		
28-06-17																		
29-06-17																		
30-06-17																		
01-07-17																		
03-07-17																		
04-07-17																		
05-07-17																		
योग																		

प्रवेशोत्सव 2017-18के संबंध में प्रवेशोत्सव के दौरान प्रथम एवं द्वितीय चरण समाप्ति के पश्चात नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं की जिले का कुल नामांकन

जिला-

प्रपत्र संख्या -- 5

चरण	कक्षा 1 में		कक्षा 2 में		कक्षा 3 में		कक्षा 4 में		कक्षा 5 में		कक्षा 6 में		कक्षा 7 में		कक्षा 8 में		योग नामांकन			
	बा.	बालि	योग																	
प्रथम चरण की समाप्ति पर																				
द्वितीय चरण की समाप्ति पर																				
कुल नामांकन																				

हस्ताक्षर जिला शिक्षा अधिकारी

www.rajteachers.com